

सेवा में

डा० हेमलता चौधुरी
अपर सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 14 जनवरी, 2010

विषय: वित्तीय वर्ष 2009-10 के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय हेतु बचनबद्ध मदों में प्रथम अनुपुरक अनुदान की वित्तीय स्वीकृति।

गोप्य

उपरोक्त विषयक जिला विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 05/XXVII(1)/2010 दिनांक 07 जनवरी, 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु अगस्त-सितंबर 2009 के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय की बचनबद्ध मदों में प्रथम अनुपुरक अनुदानान्तर्गत प्राविधानित समस्त धनराशि निम्न विवरणानुसार रु० 98.00 लाख (रु० अठ्ठानब्बे लाख मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निवेदन पर रखे जाने की श्री उपज्वाल राय की स्वीकृति प्रदान करते हैं-

03-अभिज्ञान व्यय :-

वर्ग/मद का नाम	स्वीकृत की जा रही धनराशि (हजार रु० में)
01-पैशन	8300
09-विद्युत दाय	150
13-टेलीफोन पर व्यय	140
15-गाड़ियों का अनुस्वाण और पेट्रोल आदि की खरीद	800
27-विशिक्षण व्यय प्रतिपूर्ति	410
योग-	9800
(रु० अठ्ठानब्बे लाख मात्र)	

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बी०एम०-8 के प्रपत्र पर भेजा जायेगा और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को राजद मैनुअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक जिला विभाग को प्रेषित किया जायेगा तथा नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेगा।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय जिला विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28 जुलाई, 2009 में इंगित शर्तों/प्रतिबंधों के अधीन किया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31 मार्च 2010 तक कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

5- व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। इस संघ में समय-समय पर जारी शासनदेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। व्यय मांड कच्ची मदों में किया जाए, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आशय किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाये।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक-2851-प्रमोशन तथा सभ्य उत्थान, 102-सभ्य उत्थान, 00-अधीनस्थ 03-अधिकांश व्यय अनुवर्त प्रस्तन-1 में उल्लिखित प्राथमिक इकाईयों के नामे होता जायेगा।

7- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 05/XXVII(1)/2010 दिनांक 07 जनवरी 2010 में इति निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

गवर्नीया

(डा० हेमलता ठोंगियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठकन संख्या 82(1)/VII-II-10/89-उद्योग/2008 तब दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- 1 महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2 निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
- 3 वरिष्ठ कांषाधिकारी, देहरादून/कांषाधिकारी देहरादून।
- 4 अपर सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 5 निदेशक, एन०आई०सी०, तमिऴालय परिसर, देहरादून।
- 6 वित्त अनुभाग-2
- 7 गार्ज फाईल।

आज्ञा से,

(डा० हेमलता ठोंगियाल)
अपर सचिव।